EPS-07

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

EPS-07: अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

EPS-07 : अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थीगण,

इस शैक्षिक सत्र के लिए चयनित किए गए राजनीति विज्ञान के सभी पाठ्यक्रमों के लिए सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं जो 100 अंकों के हैं।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

जमा करना

प्रवेश सत्र	जमा करने की तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2015 सत्र के लिए	31 मार्च 2016	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2016 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2016	

सत्रीय कार्य करने के लिए कुछ दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगा।

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़े और इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिनपर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए कुछ बिन्दु बनाए और उनको तर्क के आधार पर पुनः व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा तैयार करें जिससे आप कुछ बिन्दुओं को चुन सकते हैं और उनको विश्लेषित कर सकते हैं। प्रश्न की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर उचित ध्यान दें:
   क) उत्तर तर्क–आधारित और सुसंगत है।
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है।
   ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली के अनुसार प्रस्तुत सही है।

3) **प्रस्तुतिः** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हैं तो जमा कराने के लिए उसका अंतिम रूपांतरण लिख सकते हैं। यह आवश्यक है कि सभी सत्रीय कार्य आपकी अपनी लिखाई में सफाई से लिखे हों। यदि आप चाहते हैं तो मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कर सकते हैं। यह निश्चित करें कि उत्तर निश्चित शब्द सीमा के अंतर्गत है।

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध (ईपीएस–07)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः ईपीएस-07
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2015-2016
पूर्णांकः 100

सभी श्रेणी के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने शब्दों में उत्तर देने का प्रयास कीजिए।

क) दीर्घ उत्तर प्रश्न (डी.सी.क्यू.) : निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 600 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

1. अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के परम्परागत उपागम का परीक्षण कीजिए। **(20)**

अथवा

प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् फासीवाद के उदय के लिए जिम्मेदार कारणों की व्याख्या कीजिए।

2. राष्ट्रीय हित के संरक्षण में सुरक्षा की भूमिका की व्याख्या कीजिए। **(20)**

अथवा

बोल्शेविक क्रांति की प्रकृति एवं राष्ट्रीय संबंधों पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

ख) मध्यम उत्तर प्रश्न (एम.सी.क्यू.) : निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 300 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

3. प्रथम विश्व युद्ध की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **(12)**

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध के प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

4. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के उद्भव का वर्णन कीजिए। **(12)**

अथवा

शीत युद्ध के पैटर्न और आयामों तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

5. गुट निरपेक्ष आंदोलन के विकास में जवाहरलाल नेहरू के योगदान की व्याख्या कीजिए। **(12)**

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध काल के पश्चात् परमाणु हथियारों की दौड़ की मूलभूत विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

6. विश्व में निरस्त्रीकरण आंदोलन और शांति में भारत की भूमिका की व्याख्या कीजिए। **(12)**

अथवा

राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलनों के उदय के कारणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

ग) लघु उत्तर प्रश्न (एस.सी.क्यू.) : निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

7. विश्व राजनीति में तीसरी दूनिका की भूमिका **(06)**

अथवा

कुवैत की मुक्ति में 28 राष्ट्र गठबंधन की भूमिका

8. संयुक्त राष्ट्र की बदलती भूमिका **(06)**

अथवा

वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक परिवर्तन